प्रेस प्रकाशनी
Press Release

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण
Insurance Regulatory and Development Authority of India

11 दिसंबर, 2025 – हैदराबाद / December 11, 2025 – Hyderabad

आईआरडीएआई ने बीमा पर्यवेक्षण संबंधी 8वीं एशिया-पैसिफिक उच्च-स्तरीय बैठक एवं 20वीं एएफआईआर वार्षिक बैठक की मेजबानी की है जिसमें डिजिटल नवोन्मेषण और वित्तीय समावेशन पर विशेष बल दिया गया है

IRDAI Hosts 8th Asia-Pacific High-Level Meeting on Insurance Supervision and 20th AFIR Annual Meeting Highlights Digital Innovation and Financial Inclusion

---

भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) ने हैदराबाद में 9-11 दिसंबर 2025 को बीमा पर्यवेक्षण संबंधी 8वीं एशिया-पैसिफिक उच्च-स्तरीय बैठक एवं बीमा विनियमनकर्ताओं के एशियाई फोरम (एएफआईआर) की 20वीं वार्षिक बैठक और सेमिनार की मेजबानी की है। इन बैठकों में 20 से अधिक अधिकार-क्षेत्रों के 40 से अधिक वरिष्ठ विनियामक अधिकारी एक स्थान पर सम्मिलित हुए हैं।

बीमा पर्यवेक्षण संबंधी 8वीं एशिया-पैसिफिक उच्च-स्तरीय बैठक

[एएफआईआर, वित्तीय स्थिरता संस्थान (अंतरराष्ट्रीय निपटान बैंक) तथा अंतरराष्ट्रीय बीमा पर्यवेक्षक संघ (आईएआईएस) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित कार्यक्रम]

इस अवसर पर अपना वक्तव्य देते हुए, श्री पी. के. अरोड़ा, सदस्य (बीमांकक), आईआरडीएआई ने इस बात की ओर ध्यान दिलाया कि एशिया का बीमा परिदृश्य उभरती आर्थिक महत्वाकांक्षाओं के

द्वारा प्रेरित एक संरचनात्मक परिवर्तन से गुजर रहा है। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि संरक्षण का अंतराल अब एक मापनीय असुरक्षितता है जिसके लिए नवोन्मेषण, सुदृढ़ डेटा प्रणालियाँ और सरकारी-निजी सहयोग अपेक्षित हैं। वित्तीय क्षेत्र के एक बड़े नवोन्मेषण के रूप में भारत की डिजिटल सरकारी अवसंरचना पर विशेष बल देते हुए उन्होंने कहा कि इसकी डिजिटल पहचान, भुगतान और डेटा-साझेदारी की पटरियों ने विश्वास और पहुँच में वृद्धि की है।

चर्चाएँ पर्यवेक्षी अनिवार्यताओं के भावी प्रक्षेप-पथ (ट्रैजेक्टरी); जलवायु, स्वास्थ्य और साइबर खंडों में विद्यमान संरक्षण अंतरालों; तथा बीमा पर्यवेक्षण में कृत्रिम बुद्धि (एआई) की संभाव्यता से संबद्ध रहीं।

सुश्री पेत्रा हियेल्केमा, आईएआईएस कार्यकारी समिति की उपाध्यक्ष एवं यूरोपीय बीमा और व्यवसायगत पेंशन प्राधिकरण की अध्यक्ष ने यूरोपीय संघ में विद्यमान विनियामक गतिविधियों की रूपरेखा प्रस्तुत की।

20वीं एएफआईआर बैठक और सेमिनार

20वीं एएफआईआर वार्षिक बैठक और सेमिनार "*सावधानी सहित विश्वास के साथ नवोन्मेषणः बीमा के भावी पथ की रूपरेखा का निर्माण*' विषय पर केन्द्रित थे।

श्री राजय कुमार सिन्हा, सदस्य (वित्त एवं निवेश), आईआरडीएआई ने सेमिनार में वक्तव्य देते हुए इस बात पर विशेष बल दिया कि यह एशिया का समय है तथा यह केवल एक क्षेत्र नहीं है; बल्कि यह एक संरचनात्मक बल है जिसके जनसांख्यिकीय और विकासात्मक प्रक्षेपण-पथ, इसकी श्रम आपूर्ति, इसके उपभोग प्रतिमानों, इसके जोखिम समूहों, और इसकी वित्तीय आघात-सहनीयता सहित विश्व के भविष्य को आकार देंगे। इसके अलावा, उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि समावेशन केवल एक आर्थिक आवश्यकता नहीं है, बल्कि एक सामाजिक स्थिरीकारी भी है तथा `2047 तक सबके लिए बीमा' के प्रति भारत की प्रतिबद्धता इस लोकाचार को प्रतिबिंबित करती है। यह मिशन समूचे एशियाई क्षेत्र के लिए एक सामाजिक मिशन के रूप में भी काम आ सकेगा, जहाँ एएफआईआर इस मिशन को प्रभावी ढंग से आगे ले जाने के लिए अच्छी स्थिति में होगा।

दोनों दिनों के दौरान, उक्त सत्रों ने एआई के विवेकपूर्ण उपयोग, विकासशील बीमा परिदृश्यों, और समावेशी विनियमन के द्वारा वित्तीय आघात-सहनीयता को मजबूत करने से लेकर, ईवी जोखिम-अंकन और दावा नवोन्मेण में उन्नति करने तक – उभरती पर्यवेक्षी प्राथमिकताओं के एक व्यापक विन्यास को सम्मिलित किया है। चर्चाएँ अधिक स्मार्ट विनियमन, मौसम और आपदा जोखिम माडलिंग, तथा डिजिटल सरकारी अवसंरचना की भूमिका के विस्तार के द्वारा संघर्ष को कम करने पर भी केन्द्रित रहीं। उक्त बैठक में समावेशी बीमा नवोन्मेषण, प्रौद्योगिकी-संचालित धोखाधड़ी निवारण, एशियाई संरक्षण अंतरालों के समापन, तथा सीपीएस 230 के अंतर्गत परिचालन जोखिम प्रबंध पर भी विचार-विमर्श किया गया। साथ ही, इन विषयों ने एशिया भर में आघात-सहनीय और समावेशी बीमा बाजारों का निर्माण करने के लिए कुशल विनियमन, सीमापार सहयोग, और प्रौद्योगिकी-समर्थित समाधानों की बढ़ती आवश्यकता पर विशेष रूप से बल दिया।

एएफआईआर का नेतृत्व परिवर्तन – भारत ने अध्यक्षता ग्रहण की

2025 एएफआईआर में सदस्यों की 9वीं आम बैठक में अध्यक्ष, आईआरडीएआई को आगामी दो वर्षों की अवधि के लिए बीमा विनियमनकर्ताओं के एशियाई मंच के अध्यक्ष के रूप में सर्वसम्मति से चुना गया।

The Insurance Regulatory and Development Authority of India (IRDAI) hosted the 8th Asia-Pacific High-Level Meeting on Insurance Supervision and the 20th Asian Forum of Insurance Regulators (AFIR) Annual Meeting and Seminar on December 9-11, 2025, at Hyderabad. These meetings brought together over 40 senior regulatory officials from over 20 jurisdictions.

8th Asia-Pacific High-Level Meeting on Insurance Supervision

[An event jointly organized by AFIR, the Financial Stability Institute (Bank for International Settlements) and International Association of Insurance Supervisors (IAIS)]

Speaking at the event, Mr. P. K. Arora, Member (Actuary), IRDAI, highlighted that Asia's insurance landscape is undergoing a structural shift driven by rising economic aspirations. He stressed that the protection gap is now a measurable vulnerability requiring innovation, robust data systems and public–private collaboration. Highlighting India's Digital Public Infrastructure as a major financial-sector innovation, he said its digital identity, payments and data-sharing rails have enhanced trust and access.

Discussions revolved around Evolution and Future Trajectory of Supervisory Mandates; Protection Gaps in Climate, Health and Cyber segments; and Potential of Artificial Intelligence (AI) in Insurance Supervision.

Ms. Petra Hielkema, Vice Chair of the IAIS Executive Committee and Chair of European Insurance and Occupational Pensions Authority, outlined the regulatory developments in the European Union.

20th AFIR Annual Meeting and Seminar

The 20th AFIR Annual Meeting and Seminar focused on the theme "*Innovating with Trust, Including with Care: Charting the Insurance Path Ahead*".

Mr. Rajay Kumar Sinha, Member (Finance & Investments), IRDAI, speaking at the Seminar, highlighted that it is Asia's moment and that it is not merely a region; it is a structural force whose demographic and developmental trajectories, including its labour supply, its consumption patterns, its risk pools, and its financial resilience, will shape the world's future. He further underlined that inclusion is not only an economic necessity but also a social stabilizer and that India's commitment to 'Insurance for All by 2047' reflects this ethos. This mission can also serve as a societal mission for the entire Asian region, with AFIR well positioned to advance this mission effectively.

Over two days, the sessions covered a wide array of emerging supervisory priorities — from sound utilization of AI, evolving insurance landscapes, and strengthening financial resilience through inclusive regulation, to advancements in EV underwriting and claims innovation. Discussions also focused on reducing friction through smarter regulation, climate and disaster risk modelling, and the expanding role of Digital Public Infrastructure. The meeting also discussed inclusive insurance innovations, technology-driven fraud prevention, closing Asian protection gaps, and operational risk management under CPS 230. Together, these topics highlighted the growing need for agile regulation, cross-border cooperation, and technology-enabled solutions to build resilient and inclusive insurance markets across Asia.

AFIR Leadership Transition – India takes the position of Chair

At the 9th General Meeting of Members at the 2025 AFIR, Chairman, IRDAI, was unanimously elected as Chair of the Asian Forum of Insurance Regulators for the upcoming term of two years.